बरेली, शुक्रवार
4 नवंबर, 2022
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
कुल 16

दैनिक जागरण

PAGE NO. 06 : Bottom

कवयित्री लालेश्वरी की जीवनी मंच पर देख मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

जासं, बरेली: श्री राममूर्ति स्मारक रिद्धिमा में इंद्रधनुष रंग महोत्सव में गुरुवार को 14वीं सदी में हुई कश्मीर की कवयित्री लालेश्वरी पर केंद्रित संगीतमय नाटक एक आवाज मोहब्बत की... लालेश्वरी का मंचन रूबरू थिएटर के कलाकारों ने किया। लालेश्वरी या लल्ल के नाम से जानी जाने वालीं भक्तिमार्गी कवयित्री थीं, जो कश्मीर की शैव भक्ति परंपरा और कश्मीरी भाषा की विद्वान थीं।

मंचन में दिखाया कि जिस तरह हिंदी में कबीर के दोहे, मीरा के पद, तुलसी की चौपाई और रसखान के सवैये प्रसिद्ध हैं। उसी तरह लल्ल के वाख की भी ख्याति है। अपने वाखों के जरिए उन्होंने जाति और धर्म की संकीर्णताओं से उठकर भक्ति के ऐसे रास्ते पर चलने पर जोर दिया, जिसका जुड़ाव जीवन से हो। उन्होंने धार्मिक आडंबरों का विरोध किया और प्रेम और इंसानियत को सबसे बड़ा मूल्य बताया। उनके अनुसार शिव यानी ईश्वर हर जगह बसा हुआ है। यहां तक कि हमारे अंदर भी ईश्वर का वास है। रूबरू थिएटर के कलाकारों ने उनकी जीवनी पर शानदार मंचन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डा. एसबी गुप्ता, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार आदि रहे।

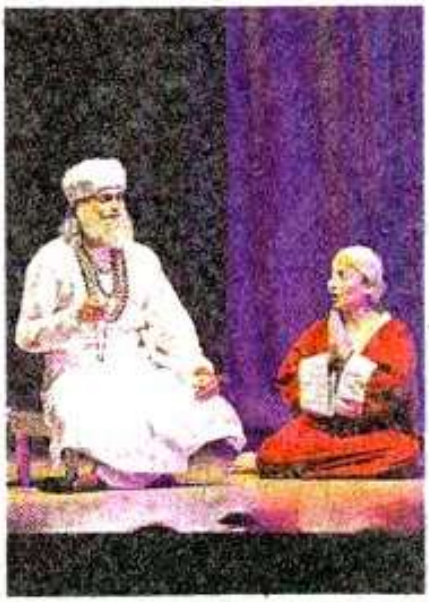

रिद्धिमा में नाटक का मंचन करते कलाकार • जागरण